ओड़ीसा मे एक महीना

Added : 2015-09-02 00:23:50

ओड़ीसा मे एक महीना

हेलो दोस्तो आप सब को मेरा मतलब सुसांत चंदन का नमस्कार मैं आप लोगो के सामने अपनी चुदाई की एक और मजेदार कहानी ले कर आया हू और उमीद करता हू की
मेरी पछिली कहानी की तरह आप को मेरी ये कहानी भी पसंद आए गे मेरे बारे मे त आप लोग सब जानते हाई है तो मैं क्या बतौ

चलो अब कहानी पे आता हू ये बात तब की है जब मैं डीप्लोमा 2न्ड यीर मे था और गर्मी की छूटी मे मुझे कोलेज से बोला गया की कसिी कंपनी मे ट्रेनगि कर लोगे
तो बाद मे अछा जॉब मीले गा तो मैं अपने पापा के एक दोस्त से बात कीया उन्हो ने मुझे ओड़ीसा के रौरकेला स्टील प्लांट मे करने को बोला की
तुम अपने कोलेज से लीखबा के मुझे भेज दो मैं कार्बा दूँगा तो मैने भेज दीया तो कुछ दनि के बाद उनका फोन आया की 7 से तुम्हारी ट्रनगि स्टार्ट हो रही है सो तुम
5 को आ जाओ तो मैं पटना से साउथ बहिार पकर के रौरकेला आ गया |और पहुचने से पहले पापा के दोस्त पूछा तो बोले बेटा मुझे थोरा काम है सो मैं नही आ
पाउन गा सो मैने अपनी बेटी को भेज दीया है तुमको लाने |

तो मैं बोला ओक कोए बात नही

जब मैं रौरकेला स्टेसन पे उतरा और बाहर नीकाला तो उनकी बेटी का फोन आया तो मैं बोला मैं पूछ-ताछ के पास खरा हू तो वो बोली मैं बस पहुच रही हू
तभी मैने देखा की एक लड़की मेरी तरफ बढ़ रही है देखने मे तो एकदम माल लग रही थी एकदम गोरी-चीटी बॉल हल्के सुनहरे रंग की बरी-बरी
आखे पतली से होत लंबी गर्दन बड़ी-बड़ी चुची ऐसी की कोई भी उसको देखने से पहली उसकी चुची को ही देख ले नही चाहते हुए भी पतली कमर
उठी हुई चूतर दीखने मे कीसी हीरोईन की तरह दीख रही थी तब उस ने खुले गले का शॉर्ट टाइट पकि टी-शर्ट और ब्लू टाइट जन्िस जो नीचे घुटने
तक था पहनी थी जसि से उसकी नंगी गोरी टाँगे धीख रही थी |आगे 23 के आस पास होगा उसका फगिर भी कमाल का था 34बी-28-34 होगा |

और उसके आस पास के सारे लरके उसको घूर रहे थे मैं भी कहा पीछे था तभी वो मेरी पास आई और बोली शुसंत तो मैं हरबरया और हा बोला तो वो
मुस्कुरा डी और बोली मैं मॉनीका और अपना हाथ बढ़ाया तो मैं भी हाथ मीलया इसी बहाने उसको छूने का तो मौका मीला क्या कोमल हाथ थे यार उसके मान
कर रहा था की आभी इसको छोड़ दू तो वो बोली चले घर तो मैं बोला हा तो वो आगे-आगे और मैं उसके पीछे-पीछे चलने लगा और उसके चूतर को देख रहा
था देखता भी कैसे नही उसकी जन्िस एकदम टाइट होने के कारण उसकी चूतर और भी उठी हुई दीख रही थी जब वो चल रही थी तो ऐसा लग रहा थे की उसके चूतर बंद-खुल रहे हो
और हम लोग कार मे बैठ गये |

और उसके साथ घर चल दीए तो रास्ते मे उस ने बताया की वो रौरकेला से ही इंजनियिरंगि कर रही है और वो भी आभी 3रड ईर मे है और हम दोनो का ब्रांच
भी एक है |और वो भी इस बार आर.एस.पी मे ट्रेनीग करे गी मेरे साथ जब हम लोग घर पहुचे और सब को प्रणाम कीया उसके घर मे 3 लोग थे उसकी मा ,पापा और
वो एक भाई थे जो भोपाल मे इंजनियिरंगि कर रहा था उसके लेकनि वो इस बार छूटी मे नही आया था |मैं उसकी मा को देखा तो मन मे सोचा आब पता चल की ये इतनी मस्त माल कैसे है
उसकी मा की उमर 40 के आस-पास होगा लेकनि देख के 28 की लग रही थी उनको देख कर लगता ही नही था की वो मॉनीका की मा है मुझे लगा वो मॉनीका की बड़ी
बहन है वो तब नाइट ड्रेस पहनी थी उनका फगिर भी कमाल का था 36ब-30 34 होगी और वो शायद अंदर ब्रा और पैंटी भी नही पहनी थी जसि से मुझे उनकी
भी चूतर और चुची बड़ी आसानी से फील हो रहा था तो आंटी मुझे बोली तुम थक गये होएगे सो जाओ तुम नहा
लो मैं खाना लगा देती हू और मोनीका ने मुझे बाथरूम दीखया ओए मैं नहाने चला गया जब मैं नहा के नीकाल तो मैं सरि्फ़ तौलीया लपेटे हुआ था |तो देखा
की मोनीका मूज़े देख रही थी |

फरि हम लोगो ने खाना खाया तब तक अंक्ल भी आ गयी और मुझ से थोरा बात कीया और बोले की तुम यही रहन जब तक तुम्हारी ट्रेनीग चले वैसे भी मैं कंपनी के काम से 40 दनि के लीए ओड़ीसा से बाहर जा रहा हू तुम रहो गे तो
मैं आराम से जा सकता हू कोए टेंसन नही रहे गी तो मैं बोला जी फरि बोले तुम्हारे पापा मेरे
आछे दोस्त है हम लोग साथ मे पढ़ते थे |वो तो कभी आता नही है लेकनि तुम आए हो तो मुझे आछा लग रहा है आछा एक काम करना की कल मॉनीका के
साथ जा के दोनो का गेट पास ले आना और गेट पास ले कर 7 से आर.एस.पी जाने लगे कार से तो अंक्ल गये थे सो हम लोगो को मॉनीका के स्कटी से जाना परता था वैसे
स्कटी से जाने से मुझे फ़ायदा ही मील्ता वो मुझ मे सॅट के तो बैठती थी |

और इसी तरह 5 दनि बीत गया फरि एक दनि सुबह मुझे पेसाब लगा और मैं नीद मे ही बाथरूम गया लेकनि उसका दरबाजा सटा हुआ था तो मैं खोल के अंदर गया
और अपना लंड नीकाल के सुरू हो गया तभी मुझे पीछे से कीसी की आबाज आए और मैं पीछे मूर गया तो देखा मोनीका नंगी नहा रही थी और सयद वो डोर
लॉक करना भूल गयी थी और मुझे देख कर एक हाथ से अपनी चुची और एक हाथ से अपनी चूत को छुपा ली और बोली तुम यहा के कर रहे हो तो मैं बोला पेसाब
लगा हुआ था सो आया तुमको डोर लॉक कर के नहाना चाहीए था ना |तो बोली ठीक है आब जाओ यहा से तो मैं जाने लगा तो बोली उसको तो अंदर कर लो मेरे लंड की
तरफ इसारा करते हुए बोली तो मैं अपने लंड को अंदर कर के वाहा से नीकाल गया |

लेकनि मेरे मन मे उसका नंगा बदन घूम रहा था और उसके उपर पानी की बूँदे लग रहा था जैसे कोई पारी हो और उसके उपर मोती सजी हुई थी और मैं जा के सोता
क्या मुझे नींद ही नही आ रही थी बस उसका चेहरा ही घूम रहा था की तभी आंटी आई और बोली आज तुम लोग को जाना नही है क्या तो मैं जल्दी-जल्दी मे
रेडी हुआ और नीचे आ गये मोनीका मेरा वेट कर रही थी तो मैं . . लगा और वो पीछे बैठ गयी और आर.एस.पी. पहुचने के बाद कुछ दूर जब चल के जा
रहे थे तब बोली तुम ने आज कुछ देखा तो नही नही सब कुछ देखा |तो वो बोली क्यू देखे तो मैं बोली तुम भी तो देखी मेरे नुनु को तो वो बोली वो ग़लती से दीख
गया तो मैं बोला तो क्या मैं जानते हुए तुझे देखने गया था |

तो वो बोली अगर पता होता तो नही आते क्या तो मैं बोला नही तब मैं नींद मे था अगर पता होता हो आख खोल के आता और पूरा मज़्ज़ा लेता तो वो हसने लगी और वो
मेरा हाथ पाकर के चलने लगी जो हमे देख रहा था उसे लग रहा था की हम लोग बाय्फ्रेंड-गर्लफ्रेंड हैं कुछ दूर चलने के बाद मैं उसे कमर मे हाथ डाल के
चलने लगा तो वो कुछ नही बोल रही थी और मैं मान हे मान मे सोच रहा था की आब तो ये आराम से चुद जाए जी |तब तक हमारे ट्रेनगि की जगह आ गया और हम
अंदर चला गये |

कुछ देर बाद जब हम लोग को वाहा से छूटी मीली तो मैं बोला की क्यू ना आज हम जंगल से हो कर चली तो वो मान गयी हूर मैं उसके कमर मे हाथ डाल के चल रहा
था की जैसे ही सुनसान जगह आया तो मैने उसके टी-शर्ट के अंदर हाथ घुसा के उसकी नंगी कमर को सहलाते हुए चल रहा था और बीच-बीच मे उसकी कमर को
दबा भी रहा था लेकनि वो कुछ नही बोल रही थी तो मान ही मान सोचा के शायद ये भी चुदना चाहती हो फरि मैने अपना हाथ उसकी कमर से हटा के उसके कंधे
पर रखा और टॉप के उपर से ही उसकी चुची दबाने लगा लें वो तो आख बंद कर के मज़्ज़ा ले रही थी तो मैने हाथ उसके टॉप के अंदर डाल दीया वैसे भी वो खुले
गले का टॉप पहनती थी तो हाथ डालने मे कोए प्राब्लम नही हुआ और उसकी चुची को दबाने लगा |

तो वो मुझ से चीपक गयी और लीप कसि करने लगी और मैं भी साथ देने लगा और अपने हाथ से उसके चूतर दबाने लगा कुछ देर ऐसा करने के बाद के बाद मैं बोला
मोनीका मुझे तुम्हारी चुची पीनी है और उसकी टॉप उपर कर दी और ब्रा के उपर से ही उसकी चुची पीने लगा फरि उसकी ब्रा को भी खोल दीया और उसकी नंगी
चुची को चूसने लगा कुछ देर ऐसा करने के बाद मैं उसके जन्इस के बटन को खोलने लगा तो वो माना कर दी |

तो मैं पूछा की क्या हुआ तो बोली सबर करो मेरे राजा यहा कोई आ गया तो हम पाकारा सकते है एक काम करो रात को अपने रूम का डोर लॉक मत करना मैं तुम्हारे
रूम मे आउ गी जब सब सो जाए गे तब |तो मैं मान गया तो वो अपने कपारे ठीक करने लगी तो मैं पूछा अगर नही आई तो वो बोली की आउ गी ज़रूर अओ गी
लेकनि अगर भरोसा नही हो रहा है तो तुम्हारे हाथ मे जो ब्रा है उसके अपने पास रख लो मैं जब आउ गी तो पहना देना तो मैं मान गया और उसको कसि कर के
ब्रा को अपने पास रख के चलने लगा और अपनी स्कूती से घर पहुच गया और पूरे रास्ते वो मुझ से चीपक के अपनी चुची के नप्पिल की चुभन मुझे देती रही |
हम लोग घर पहुच के रात होने का इंतजार कर रहे थे और रात हुई सबलॉग खा के सोने अपने-अपने रूम मे चले गये मैं भी अपने कमरे मे जा के मोनीका का इंतजार
करने लगा तब मैने कुछ नही बस एक तौलीया लपेट कर लेता हुआ था तो मैं देखा की डोर खुल रहा है तो मैने आख बंद कर के सोने का नाटक करने लगा तो वो अंदर
आ गयी तब उसने कुछ जायदा नही बस पैंटी और बॉय की गन्गी की तरह कोई जालीदार सी गांजी पहन रखी थी और वो आई और मुस्कुराते हुए मेरे जाँघो को सहलाने
लगी और हाथ अंदर डाल के मेरे लंड को पकर ली तो मैं आख खोल दीया तो वो मुस्कुराते हुए मुझे देखी और बोली सब सो गये है और मेरी दोनो टँगो के बीच मे
आ गयी और मेरे लंड के पास मूह लगा दी और मेरे लंड को जीभ से चाटने लगी और मेरे तौलीए को खोल दी और लंड को पकर के अपने मूह मे ले ली और चूसने लगी

वो मेरे लंड को ऐसे चूस रही थी जैसे कीसी आइस-क्रीम को खा रही हो उसी तरह . प्यार से चूस रही थी फरि मैं उठा और उसको लीप कसि करने लगा और एक हाथ
से उसकी चुची को भी दबा रहा था फरि उसकी उपर के कपारे को नीचे कर के उसकी चुची को नीकाल दीया और कसि करते हुए उसको मसालने लगा तो वो भी मेरे लंड
को सहलाने लगी तो मैं उसके लीप को छोर के उसकी गर्दन होते हुए उसकी चुची पे कसि करने लगा और उसके नप्पिल को अपनी जीभ से हीलने लगा और अपने हाथ को
उसकी चूत के पास ले जा कर सहलाने लगा और फरि उसको बेड पर लीता दीया और उसकी चूत के पास एक हुक था जो खोल दीया तब मुझे लगा अरे यार ये कोई जालीदार
कपारा ही था जो चूत से चुची तक था और हुक खोलते ही मुझे उसकी नंगी चूत दीखने लगी और मुझे लगा की आज इस ने अपनी चूत को मुझ से चुद्ने के लीए
साफ की है |

तो मैं उसके गांघ को सहलाते हुए उसकी दोनो टॅंगो के बीच मे गया और उसकी चूत को चाटने लगा क्या चूत पाई थी उस ने और मैं तो खुदकस्मित था जो . चूत
को चाट रहा था फरि जीभ अंदर बाहर करने लगा फरि मैं तो चूत को ऐसे काटने लगा जैसे तरबूजे को खा रहा हू और उसके मूह से मीठी सी सीत्कार नीकल रही
थी और वो अपने हाथो से अपनी ही चुची को मसालने लगी |फरि मैं उठा और आगे बढ़ गया और उसकी दोनो टॅंगो को उठा के चूत के पास लंड को रगार्ने लगा फरि
लंड को चूत की छेद के पास ले गया और प्यार से अंदर डालने की कोससि करने लगा और हल्का सा धकेला और लंड थोरा अंदर चला गया और उसके मूह से आआआआआहहाा
की आबाज आई लेकनि उस ने अपनी होठ को दात से दबा ली तो मैने एक झटका मारा और पूरा लंड अंदर चला गया तो मैने उसके दोनो पैर को उठा दीया और अंदर-बाहर
करने लगा और बीच-बीच मे उसकी चुची और पूरे बदन को सहला और दबा रहा था

और कभी-कभी कसि भी कर रहा था फरि मैं नीचे लेट गया और वो मेरे उपर बैठ गयी और खुद उपर नीचे हो के चुद्ने लगी तो मैने भे नीचे से झटके मारने
लगा फरि मैं उसके पैर को नीचे कर के उसके दोनो चूतर को पाकर के उठा लीया और अंदर-बाहर करने लगा और वो भी कमर हीला-हीला
के चूदबा रही थी फरि मैने उसको घोरी बनाया और उसको चोद्ने लगा तो मैं जीतने स्पीड से आगे पीछे हो रहा था वो भी उतनी ही स्पीड से आगे-पीछे हो रही थी
और चोद्ते-चोद्ते वो सीधी बेड पर लेट गयी और मैं . . से झटके मरने लगा और वो पूरे कमरे मे आआआआआआहहाआआआआआआआआआअ उ्उउम्म्म्ममममममममाआआआआआआआअ ऊऊऊऊऊओफफफफफफफफफफफफफफफफफफफ़ की आबाज . रही थी

और फरि मैं झरने बाला था तो लंड को बाहर नीकाल के उसके मूह मे छोर दीया और वो चाट-चाट के सॉफ कर दी
और बोली अब अपने हाथ से मुझे ब्रा पहना दो तो मैं पहना दीया और वो वाहा से चली गयी लेकनि उसको मैं बहुत बार चोदा जब तक रौरकेला मे राहा |और बाद मे मैं उसकी एक दोस्त सोनी को भी चोदा वो मैं अगले कहानी मे बताउगा

आप को मेरी कहानी कैसी लगी और अगर आप के कुछ सबाल हो तो आप मूज़े मेल कर सकती है|

« Back To Home

For more sex stories Visit: AntarVasna.Us